

(1)

कार्यालय मु-प्रबन्ध जायुक्त राजस्थान, जयपुर।

क्रमांक/फा/मुद्राजा/संख. सं./मुद्रा/ 11/8/1/85/पार्ट 111/4626 दिनांक: २४/७/८६

परिपत्र

तामान्यतया देखा गया है कि मु-प्रबन्ध तंत्रियाँ के अधीन तहतीलों में अफिलेक्स लेडन के तमय राजस्व जमावन्दी और पटवार नक्शों को लेकर मु-प्रबन्ध विभाग के कर्मचारियों/अधिकारियों में लैड्डो-ह्यारो वित्तानियों स्वं अनियमिताओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी वित्तानियों/अनियमित यथापि मु-प्रबन्ध अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा मौके पर वी निर्णित की जा रहती है, परन्तु उन्हें ऐसा करने का कोई अधिकार प्रदत्त नहीं किए गए हेराफे ऐसी स्थिति में निर्देशित किया जाता है कि ऐसी तभी वित्तानियों/अनियमित के प्रबलण बनारं जाकर उसकी एक प्रति मु-प्रबन्ध अधिकारी के माध्यम से सम्बन्धित जिला कलक्टर को निर्णय करने हेतु भेजदी जाये तथा उनकी एक अन्य प्रति जायुक्त मु-प्रबन्ध को आवश्यक रूप से भिन्नवादें ताकि राज्य सरकार के सारे से कार्यवाही कराई जा सके। ध्यान रहे! जब तक सम्बन्धित वित्तानियों का निराकरण राजस्व अभिकरण द्वारा नहीं किया जाता है तब तक रिकाई को अंतिम रूप नहीं दिया जाए। सम्बन्धित पूर्व परिपत्रों की अतिक्रमित करते हुए इन दिशा-निक्षाँ पर त्वरित कार्यवाही की जाए।

क्रमांक/समांख्यक : ५६२१-५०

प्रतिलिपि निम्न को कृपनार्थ स्वं पालनार्थ :-

१. मु-प्रबन्ध अधिकारी, जयपुर/जोधपुर/गोकानेद/उदयपुर/मीलवाड़ा/बासंवाड़ा/डूंगरपुर/तिरोही/ज़मेद/कोटा/तालेपुर/भलपुर/भरतपुर।

मु-प्रबन्ध जायुक्त,
राजस्थान, जयपुर।

दिनांक: २४/७/१०१

मु-प्रबन्ध जायुक्त,
राजस्थान, जयपुर।